

## स्वास्थ्य विभाग

## अधिसूचना

संख्या 46/14/80-5-स्वा.शा.-II.—चूंकि राज्य सरकार इस बात से संतुष्ट है कि हरियाणा राज्य में भयानक महामारी अर्थात् संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) फैलने का खतरा है और इस प्रयोजन के लिए इस समय लागू विधि के साधारण उपबन्ध अपर्याप्त हैं :

इस लिये, अब महामारी अधिनियम, 1897, की धारा 2 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा—

(i) उपायुक्तों को उनके अपने-अपने जिलों के क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तियां प्रदान करते हैं :—

- (क) किन्हीं निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों या पेयों अथवा ऐसे पदार्थों के अन्य वर्गों के जिले के किसी स्थानीय क्षेत्र में विक्रय या विक्रय के लिए प्रदर्शन या उसमें आयात अथवा उससे निर्यात को रोकना ।
- (ख) किन्हीं अस्वास्थ्यकर खाद्य अथवा पेय पदार्थों को नष्ट करने के आदेश देना ।
- (ग) किसी भी व्यक्ति को किसी भी बाजार, भवन, दुकान, स्टाल या ऐसे स्थान में जो किन्हीं खाद्य अथवा पेय पदार्थों विक्रय भण्डारकरण अथवा मुक्त वितरण के लिए उपयोग में लाया जाता है प्रवेश करने वाले ऐसे पदार्थों की जांच करने और यदि वह अस्वास्थ्यकर पाये जाये तो जप्त करने, हटाने, नष्ट करने या उसे किसी भी ऐसे तरीके से जैसा वह उचित समझे समाप्त कराने के लिए प्राधिकृत करना ताकि उसे भानवों के उपयोग आने से रोका जा सके ।
- (घ) सभी प्रयोजनों के लिए जल की सप्लाई हेतु उपयुक्त स्थान पृथक करना और किसी अन्य स्रोत से जल के उपयोग का निषेध करना और उस स्रोत का जिससे ऐसी जल सप्लाई प्राप्त की जा सकती है, समय, रीति तथा शर्तें नियमित करना ।
- (ङ) किसी वर्क के कारखाने या वाति जल या खनीज जल कारखाने को बन्द करने के आदेश देना ।
- (च) स्नान के लिए उपयुक्त स्थान पृथक करना और महिलाओं तथा पुरुषों के लिए, जिनके द्वारा ऐसे स्थानों को उपयोग में लाया जा सकता है अलग-अलग समय निर्दिष्ट करना ।
- (छ) पशुओं को नहलाने और कपड़े धोने के लिए साजनता के स्वास्थ्य, सफाई अथवा सुविधा से संबंधित किसी अन्य प्रयोजनों के लिए स्थान पृथक करना ।
- (ज) खण्ड (च) के अधीन विनिर्दिष्ट व्यवितियों द्वारा-सामान्यतः भिन्न स्नान करने की अथवा ऐसे प्रयोजन के लिए नियत किये गये स्थानों से भिन्न स्थानों पर पशुओं के नहलाने या कपड़े धोने को रोकना ।
- (झ) अलगाव शिविरों, अस्पतालों और चिकित्सा निरीक्षण चौकियों की स्थापना करना ।
- (ञ) किसी संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से पीड़ित व्यक्ति को अलगाव शिविर या अस्पताल में भेजने तथा रोके रखने के आदेश देना ।
- (ट) जिले में किसी मेले के आयोजन को रोकना ।
- (ठ) यह आदेश देना कि कोई विनिर्दिष्ट व्यक्ति या किसी विनिर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर सभी व्यक्ति, टीका लगवायेंगे, अवयस्कों के मामले में आदेश उनके माता-पिता या अभिभावकों को सम्बोधित होंगे और तब ऐसे सभी व्यक्तियों को टीका लगवाने अपेक्षित होंगे ।

(ii) निदेशक, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप-निदेशक और सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवायें, हरियाणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, उप-मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों, सभी नगरपालिका चिकित्सा अधिकारियों, सरकारी

या स्थानीय निकाय अस्पतालों और औषधालयों (डिस्पेंसरियों) के कार्यभारी चिकित्सा अधिकारियों, सरकारी खाद्य निरीक्षकों वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों, स्वास्थ्य निरीक्षकों, सहायक यूनिट अधिकारियों, सहायक मलेरिया अधिकारियों और सभी मैजिस्ट्रेटों को उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तियां प्रदान करते हैं:—

- (क) किन्हीं अस्वास्थ्यकर खाद्य या पेय पदार्थों को नष्ट करने के आदेश करना ।
- (ख) किसी संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से पीड़ित अथवा पीड़ित होने की संभावना वाले व्यक्ति को हटाने और अलगाव शिविर या अस्पताल में भेजने तथा रोके रखने के आदेश देना ।
- (ग) ऐसे किसी व्यक्ति को टीका लगवाने के आदेश देना, जिसे उनकी राय में छूत होने का डर हो (अवयवों के मामले में ये आदेश उनके माता-पिता या अभिभावकों को संबोधित होंगे)।
- (घ) संक्रामक यकृत विकार के रोगियों का पता लगाने अथवा उस बीमारी का टीका लगवाने या रोगाणुनाशन के प्रयोजनार्थ किसी भी परिसर में प्रवेश करना ।
- (ङ) किन्हीं नालियों, परिसरों, शोचालयों, वस्त्रों, विस्तरों या किसी अन्य वस्तु को जो उनकी राय में रोगाणुग्रस्त है या जिससे रोगाणुओं के फैलने की संभावना है सफाई या उसके रोगाणुनाशन के और किसी भी वस्तु घणोत्पादक सामग्री कूड़ाकूट, विण्डा, गोबर या किसी प्रकार की गन्दगी को हटाने और उसे समाप्त करने अथवा उपयुक्त रोगाणुनाशकों (disinfectant) को प्रयोग में लाने के आदेश देना ।
- (च) पीने के पानी को सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की सप्लाई के कलोरीकरण का आदेश देना ।

(iii) निदेशक, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप-निदेशक और सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवायें, हरियाणा और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में निम्नलिखित शक्तियां प्रदान करते हैं:—

- (क) जब भी जिला में संक्रामक यकृत विकार फैलने का डर हो तो नगरपालिका क्षेत्रों एवं पंचायत समितियों के अधीन क्षेत्रों के लिए विद्यमान पद संख्या से दूगने पदों तक महतरो या सफाई मजदूरों, सफाई निरीक्षकों या वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों के पद बनाना और उक्त पदों को जिले के संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) से मुक्त होने की घोषणा की तिथि से एक मास तक अस्थायी रूप में भरना और यह आदेश देते हैं कि घर का मुखिया या घर का कोई व्यक्ति सदस्य ।
- (ख) प्रत्येक पंजीकृत प्राइवेट चिकित्सा व्यवसायी जिसे किसी घर में संक्रामक यकृत विकार (पीलिया) होने का ज्ञान हो, इसकी सूचना इसके पता लगने से चौबीस घंटे के भीतर ग्राम पंचायत के सरपंच को या उसके न होने पर गांव के नम्बरदार को या किसी स्थानीय अस्पताल/औषधालय के कार्यभारी चिकित्सा अधिकारी को या नगरपालिका के सचिव को देगा जिनके अधिकार क्षेत्र में वह रहता है या व्यवसाय करता है जो बाद में मामले की रिपोर्ट संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारी को देने का जिम्मेदार होगा ।
- (ग) यह निर्देश देते हैं कि खण्ड (i) के अधीन सम्बन्धित उपायुक्त द्वारा जारी किया गया कोई आदेश उस स्थानीय क्षेत्र में तब तक लागू रहेगा जब तक ऐसा स्थानीय क्षेत्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सरकारी तौर पर संक्रामक यकृत विकार से मुक्त घोषित नहीं कर दिया जाता । यह निर्देश देते हैं कि इस आदेश के अधीन सशक्त किसी व्यक्ति द्वारा इसके द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये किये गये किसी उपाय की लागत उस पंचायत समिति या नगरपालिका द्वारा जुटाई जायेगी जिसके अधिकार क्षेत्र में ऐसा उपाय किया जाये और इसको वसूली करने के लिए हरियाणा द्वारा खजाने में संबंधित स्थानीय प्राधिकरण की निधियों के वकायों में से कटौती द्वारा की जा सकती है ।

यह आदेश इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से 31 दिसम्बर, 1983 तक लागू रहेगा ।

एम० कुट्टपन,  
आयुक्त एवं सचिव,  
हरियाणा सरकार, स्वास्थ्य विभाग ।